Book Ad Any category of Classified and get
Special Discount
Times of india/ Hindustan times/ Denik jagran / Amar ujala/ Navbharat times Hindustan hindi
Discount Code TBC10
Contact:
Kunika Advertising
Plot no- 516. Sector-12, Friends Co-operative Society, Vasundhara, Ghaziabad
Mo. 8130640000

Year-15 Issue- 09
Ghaziabad, Sunday, 30 July- 2023

30 July to 05 August- 2023

Page: 8

Postal Registration No: UP/GZB-80/2016-18
RNI.No: UPBIL/2009/28691
DAVP Code: 101473
Editor: Dheeraj Kumar
Mob.: 9871895198

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Hindi/English {Bi-Lingual} Weekly Ghaziabad
डीएवीपी एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
www.tbcgzb.com
Email: editor@tbam.co.in

Page 2

Page 5

Page 7

40 साल बाद क्यों इतना रौद्र रूप दिखाया हिंडन नदी ने?

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। हिंडन नदी में अचानक आई बाढ़ से साहिबाबाद का करहैड़ा और उसके आसपास का इलाका पूरी तरह डूब गया। करीब चार दिनों तक बाढ़ का पानी रहने के बाद गुरुवार से पानी उतरना शुरू हुआ। बाढ़ से करीब तीन हजार परिवार प्रभावित हुए। उन्हें करहैड़ा के कंपोजिट स्कूल में बनाए गए राहत शिविर में ठहराया गया। लेकिन बहुत से ऐसे परिवार थे, जिन्होंने घर छोड़ने से इनकार कर दिया।

हिंडन नदी के पानी से तीन लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से दो युवक थे, जो अपने घर से सामान लेने के लिए गए थे। करीब 7000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है. सवाल ये है कि 1978 के बाद हिंडन नदी में फिर से क्यों उफान आया है?

हिंडन के पानी से नोएडा के कई इलाकों में भी बाढ़ आ गई। यमुना नदी शांत हुई, तो हिंडन नदी उफान पर आ गई। साहिबाबाद के करहैड़ा और खादर का क्षेत्र और मुरादनगर का अटौर नंगला सबसे प्रभावित क्षेत्रों में रहा। कई घर बाढ़ के पानी में करीब 5-5 फीट तक डूब गए। इन घरों में रह रहे लोगों ने छतों पर चढ़कर जान बचाई. एनडीआरएफ की टीम नाव से उनतक खाना और पानी पहुंचाया। एनडीआरएफ की चार टीमें रात दिन ऑपरेशन चलाकर 7000 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। बाढ़ में सबसे ज्यादा नुकसान करहेड़ा गांव का हुआ है। हजारों की आबादी वाले इस इलाके में दूर दूर तक पानी ही पानी था। मकान पानी में डूब गए। गांव करहेड़ा की चार कॉलोनियों में हिंडन नदी का पानी भर गया। शिवचरण कॉलोनी, उदम कॉलोनी, कृष्णा कॉलोनी और काष्णा कॉलोनी बिल्डर के द्वारा काटी गई हैं। बाढ़ के चलते सिटी फॉरेस्ट बीते एक सप्ताह से बंद है। 175 एकड़ में फैला सिटी फॉरेस्ट पूरी तरह डूब गया। 1978 के बाद से हिंडन नदी में कभी बाढ़ नहीं आई है। पर इस बार मामला अलग दिखा। निचले इलाकों में मौजूद 12 गांवों में पानी भर गया है।

हिंडन में उफान की क्या है वजह?

1978 के बाद पहली बार हिंडन नदी के पानी में इतना उफान आया है। इसके पीछे कई कारण हैं। कई सालों में हिंडन नदी के के डूब क्षेत्र में 6 हजार से ज्यादा अवैध निर्माण बन गए। हिंडन नदी से गुजरते मेट्रो, फ्लाईओवर और रैपिड रेल बनने के दौरान कच्चे रास्ते बनाए गए थे। जिसका लाखों टन मलबा यहीं पड़ा रह गया। आनन-फानन में नदी की सफाई के लिए मजदूर उतारे गए। लेकिन तब तक नदी सैलाब बनकर कई रिहायशी इलाकों को निगल चुकी है। हिंडन जल बिरादरी के संयोजक विक्रांत शर्मा के मुताबिक, बीते 10 सालों में हिंडन नदी पर कई बड़े प्रोजेक्ट बने। मसलन मेट्रो का पुल, रैपिड ट्रेन का पुल, प्लाटून पुल और ओवर ब्रिज। इनको बनाने के लिए हिंडन को संकरा करके अप्रोच रास्ते बनाए गए। जिससे नदी का फ्लो रुका। नतीजतन पानी रिहायशी इलाकों में पहुंच गया।

करहैड़ा की पुलिया की डिजाइन गलत

जल पुरुष नाम से विख्यात राजेंद्र सिंह ने भी करहैड़ा और आसपास के क्षेत्रों का दौरा कर यह जानने का प्रयास किया कि आखिर चालीस साल तक शांत रहने वाली हिंडन में अचानक ऐसा क्या हुआ कि बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई। उन्होंने जिलाधिकारी व दूसरे अधिकारियों से इस बारे में बातचीत की। राजेंद्र सिंह ने बताया कि करहैड़ा में बनाई गई पुलिया की डिजाइन गलत है। जिस कारण पानी का बहाव उल्टी दिशा में जा रहा है। एनजीटी ने भी इस पर आपत्ति जाहिर की थी। मैगसैसे अवार्ड विजेता राजेंद्र सिंह ने कहा कि हिंडन के खादर क्षेत्र में बेरोकटोक निर्माण किया गया। हिंडन नदी में मिट्टी आ जाने से पानी आगे नहीं बढ़ पा रहा है।

प्रदेश के मंत्री ने दिए सफाई के निर्देश

प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री नरेंद्र कश्यप में बुधवार को हिंडन में आई बाढ़ और राहत कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने बाढ़ प्रभावितों से बात की। बाद में प्रदेश मंत्री ने अधिकारियों के साथ हिंडन के दोनों ओर रेलवे लाइन तक जायजा लिया। उन्होंने कहा कि हिंडन नदी केंद्र सरकार की नमामि गंगे परियोजना के तहत आती है। इसकी सफाई के लिए 40 करोड रुपए का एस्टीमेट भेजा गया था लेकिन किन्ही कारणों से सफाई का काम नहीं हो पाया। हिंडन में पानी के स्तर का बढ़ना हिंडन की सफाई नहीं होने से हुआ है। अब प्रशासन की ओर से नमामि गंगे परियोजना के तहत हिंडन की सफाई का काम शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बाढ़ पीड़ितों के लिए प्रशासन और नगर निगम की ओर से बेहतर व्यवस्था की गई है। आने वाले दो या तीन दिन में हिंडन का पानी पूरी तरह उतर जाएगा।

बाढ़ की चपेट में हैं नोएडा के ये इलाके

हिंडन बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद नोएडा, गाजियाबाद में नदी के किनारे बसे इलाकों में पानी भर गया. नोएडा के हैबतपुर, चोटपुर, बहलोलपुर,छिजारसी, चकशाहबेरी सबसे ज्यादा प्रभावित है. ग्रेटर नोएडा के 6 गांव हिंडन की बाढ़ की चपेट में हैं. अभी तक 800 से 1000 लोगों को राहत केंद्रों में शिफ्ट किया जा चुका है.

TIRUPATI EYE

'बाल श्रमिक विद्या योजना' शुरू, 2000 बच्चों को मिल रहा लाभ

गाजियाबाद। आउट ऑफ स्कूल बच्चों को वापस स्कूल लाने के साथ-साथ योगी सरकार ऐसे बच्चों को भी स्कूल वापस लाने का प्रयास कर रही है जो आर्थिक तंगी या अन्य दूसरी वजहों से बाल श्रमिक बन गए हैं। ऐसे बच्चों के लिए सरकार ने बाल श्रमिक विद्या योजना की शुरूआत की है। इस योजना के अंतर्गत योगी सरकार प्रदेश के 20 जिलों के 2000 बच्चों को लाभ प्रदान कर रही है।

इस योजना के अंतर्गत योगी सरकार प्रदेश के 20 जिलों के 2000 बच्चों को लाभ प्रदान कर रही है। योजना के तहत बालकों को 1000 रुपए प्रतिमाह, जबकि बालिकाओं को 1200 रुपए प्रतिमाह प्रदान किए जा रहे हैं। अब सरकार सभी 75 जिलों के 5000 बच्चों को योजना से जोड़ने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। बाल श्रमिक विद्या योजना का उद्देश्य ऐसे कामकाजी बच्चों की आय की क्षतिपूर्ति करना है, जोकि योजना में निर्धारित अर्हता के अंतर्गत आते हों, ताकि उनका विद्यालय में प्रवेश व निरंतरता सुनिश्चित किया जा सके। योजना के अंतर्गत वो कामकाजी बच्चे पात्र हैं जो 8-18 आयु वर्ग के हैं और संगठित या असंगठित क्षेत्र में कार्य कर अपने परिवार की आय की वृद्धि में सहयोग कर रहे हैं। इसमें कृषि, गैर कृषि, स्वरोजगार, गृह आधारित प्रतिष्ठान, घरेलू कार्य व अन्य श्रम सम्मिलित हैं। योजना के तहत 5000 बच्चों को योजना से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

BUREAU OFFICE
PRATEEK BHARGAVA
BUREAU CHIEF
Add: Plot No- 516, Sector 12, Friends Co-operative Society, Vasundhara, Ghaziabad (U.P.)
Mo.: 8130640011
e-mail: prateekb@tbcgzb.com
Contact for Press Release and Advertisements

तिरुपति बालाजी क्रोनिकल
TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

नोएडा सेक्टर-62 से गाजियाबाद के मोहननगर तक मेट्रो लाइन प्रोजेक्ट

कितना दूर-कितना पास

गाजियाबाद। ट्रांस हिंडन एरिया के लोग काफी समय से नोएडा सेक्टर-62 मेट्रो लाइन को मोहन नगर तक बढाने की मांग कर रहे हैं। इस मांग के समर्थन में कई आंदोलन हो चुके हैं। वैशाली मेट्रो स्टेशन से जिला मुख्याल तक पैदल मार्च भी किया जा चुका है। हालांकि सरकार की ओर से अभी तक इस प्रोजेक्ट को लेकर हां या ना नहीं कहा गया है लेकिन लोगों की आशाएं अभी भी बरकरार है। तीन बार इसकी डीपीआर बन चुकी है। इस प्रोजेक्ट के तहत नोएडा सेक्टर-62 से मोहननगर तक मेट्रो को लानी है। इसमें सिर्फ दो स्टेशन इंदिरापुरम और वसुंधरा को डीपीआर में दिखाया गया।

वहीं, जीडीए का कहना है कि फिलहाल धन की कमी के कारण इस प्रोजेक्ट को हाथ में नहीं लिया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट के लिए तीन बार डीपीआर तैयार किया जा चुका है, मगर तीनों बार पैसों की कमी की कारण प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ पाया।

मेट्रो बन गई है लाइफ लाइन

दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में मेट्रो (मेट्रो) को शहर की लाइफ लाइन माना जाता है। यातायात के अन्य साधनों द्वारा मेट्रो अपेक्षाकृत सस्ती मानी जाती है। इसलिए रोजाना बड़ी संख्या में लोग आने-जाने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। इसको देखते हुए उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर-62 से गाजियाबाद के मोहननगर तक मेट्रो ट्रेन चलाने की बनाई गई थी, मगर पैसों की कमी के चलते इस प्रोजेक्ट को बंद कर दिया गया। नोएडा सेक्टर-62 से मोहननगर तक मेट्रो रेल प्रस्तावित थी, तीन बार इस प्रोजेक्ट के लिए डीपीआर भी तैयार किया गया, लेकिन फंड की कमी के चलते इस योजना को बंद कर दिया गया।

तीन बार बना डीपीआर

दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में यात्रा करने के लिए भारी संख्या में लोग मेट्रो का इस्तेमाल करते हैं। इसको देखते हुए जिन रुट पर मेट्रो का संचालन नहीं है वहां मेट्रो चलाने की योजना थी। नोएडा सेक्टर-62 से गाजियाबाद के मोहन नगर तक मेट्रो चलाने की योजना थी। इस प्रोजेक्ट के शुरू होने से गाजियाबाद में रहने वाले लोगों को सीधा फायदा होता। इस प्रोजेक्ट को शरू करने के लिए पहली कोशिश साल 2015 में की गई। इसके बाद साल 2018 और 2021 में दो बार और मेट्रो रूट की डीपीआर तैयार की गई, मगर पैसों की कमी के चलते योजना आगे नहीं बढ़ सकी।

जानकारी के मुताबिक नोएडा सेक्टर-62 से मोहननगर तक तीन मेट्रो स्टेशन बनाने की योजना थी। एक बार इस प्रोजेक्ट का अनुमानित खर्च करीब 1845 करोड़ रुपये आया। वहीं, साल 2021 में तैयार किए गए डीपीआर के मुताबिक इस प्रोजेक्ट की लागत करीब 2100 करोड़ रुपये थी। इस प्रोजेक्ट के लिए पैसा उत्तर प्रदेश सरकार को देना था, मगर पैसों की कमी के चलते इस प्रोजेक्ट को बंद कर दिया गया। सरकार की ओर इस प्रोजेक्ट में कोई खास रुचि नहीं दिखाई गई।

टीएचए को मिलेगी अच्छी कनेक्टिविटी

गाजियाबाद में मेट्रो एक्सटेंशन से इंदिरापुरम और वसुंधरा के लोगों को अच्छी कनेक्टिविटी मिलेगी।

मेट्रो प्रोजेक्ट को शुरू कराने के लिए लोगों का सहयोग लिया जा रहा है। इसके लिए बकायदा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के सदस्य भूपेंद्र नाथ ने बताया कि मेट्रो से ही टीएचए के आवागमन की समस्या

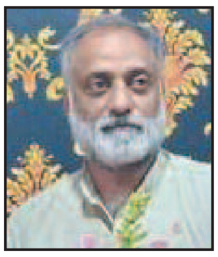

का समाधान होगा। इसके लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। फंड की कमी तो एक बहाना है। शासन स्तर पर 27 फीसदी तक फंड दिए जाने का विचार चल रहा है।

दूसरे रूट का प्रोपोजल दिया

वहीं, दूसरी तरफ से जीडीए मेट्रो के ऐसे एलाइनमेंट पर विचार कर रहा है, जिससे दो रूट को बनाने के बजाय एक ही रूट को बनाकर अधिक से अधिक से एरिया के लोगों को फायदा पहुंचाया जा सके। पिछले दिनों डीएमआरसी ने वैशाली मेट्रो के एक्सटेंशन प्लान में अब नया रूट दिया था।

नए रूट में इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन (नोएडा) से मेट्रो एनएच-9 को क्रॉस करते हुए सीआईएसएफ पहुंचेगी। वहां से आगे रामलीला मैदान, आदित्य मॉल, ज्ञानखंड, रामप्रस्थ के रास्ते होते हुए वैशाली मेट्रो स्टेशन से लिंक हो जाएगी, लेकिन इस रूट में प्राइवेट जमीन आने की वजह से इसे फाइनल नहीं किया जा सका, जबकि इलेक्ट्रानिक सिटी से साहिबाबाद वाले रूट पर भी काम चल रहा है। दोनों से जो कम लागत और बिना किसी रुकावट के बनने की संभावना होगी। जीडीए उसी रूट पर काम करेगा।

क्या कहते हैं अधिकारी

जीडीए वीसी राकेश कुमार सिंह जल्द ही इसको फाइनल किए जाने के लिए डीएमआरसी के अधिकारियों के साथ मीटिंग करेंगे। फिर एक रूट को फाइनल कर दिया जाएगा। डीएमआरसी ने जो रूट प्लान जीडीए को सौंपा है कि उसमें इलेक्ट्रॉनिक सिटी से वैशाली मेट्रो स्टेशन के बीच की दूरी 5.83 किमी है। इस रूट में चार स्टेशन चिह्नित किए गए हैं। पहला स्टेशन वैभव खंड, दूसरा डीपीएस इंदिरापुरम, तीसरा स्टेशन नीति खंड और चौथा स्टेशन ज्ञानखंड होगा।

नया मेट्रो रूट होगा तैयार

जीडीए वीसी राकेश कुमार सिंह का कहना है कि पहले जीडीए ने वैशाली से मोहननगर और नोएडा सेक्टर-62 से साहिबाबाद की डीपीआर तैयार की थी। तब रैपिडएक्स का विकल्प नहीं था। अब रैपिड एक्स का विकल्प है। इसलिए पुराने दोनों रूट के बजाय नए रूट पर काम किया जा रहा है। इससे इंदिरापुरम और वैशाली पूरी तरह से कवर हो जाएंगे।

रोप वे प्रोजेक्ट फिलहाल ठंडे बस्ते में

ट्रांस हिंडन के लिए जीडीए ने रोप वे प्रोजेक्ट का प्रस्ताव पेश किया था। इसके तहत वैशाली को मोहननगर मेट्रो से जोड़ने की योजना थी। वैशाली से रोप वे के जरिए सवारी को मोहननगर तक ले जाने का प्लान था लेकिन स्थानीय लोगों के विरोध के बाद इस प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया। जीडीए का कहना है कि शहर में पांच जगहों पर रोप-वे चलाने की प्लानिंग है। इनमें वैशाली से मोहननगर रूट भी शामिल है।

रोप वे का विरोध चलता रहेगा

मेट्रो के लिए आंदोलन चलाने वाले वसुंधरा निवासी नितिन भारद्वाज का कहना है कि वैशाली से मोहननगर तक रोप वे योजना को मूर्तरूप होने नहीं दिया जाएगा इससे कई तरह के खतरे हैं। जहां भी रोप वे है, वहां दुर्घटनाएं हो रही है। एक बार में रोप वे में बीस लोगों को ही ले जाया जा सकता है। इससे योजना से यातायात की समस्या का समाधान नहीं हो पाएगा। इसका एक मात्र विकल्प मेट्रो विस्तारीकरण ही है। मेट्रो के लिए वसुंधरा, इंदिरापुरम और दूसरी कॉलोनियों के लोगों का संघर्ष जारी रहेगा।

रैपिड एक्स के गाजियाबाद स्टेशन तक मेट्रो चलाने की योजना

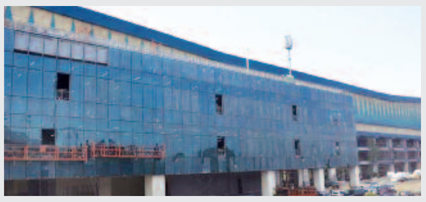

नोएडा सेक्टर 62 से रैपिडएक्स ट्रेन के साहिबाबाद स्टेशन तक मेट्रो फेज 3 प्रोजेक्ट को लेकर जीडीए और दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अधिकारियों के बीच बैठक हो चुकी है। इस रूट के विस्तार को लेकर बैठक हुई। मेट्रो फेज 3 प्रोजेक्ट पूरा होने से कनेक्टिविटी काफी बेहतर हो जाएगी। आर्थिक तंगी से जूझ रहे प्राधिकरण की योजना में कम पैसों को खर्च कर ज्यादा से ज्यादा लोगों को सुविधा देने की है। इसी कड़ी में नोएडा के सेक्टर 62 से मेट्रो का विस्तार वसुंधरा कट के बजाय थोड़ा सा आगे रैपिडएक्स के साहिबाबाद स्टेशन तक करने के निर्णय को लिया गया है। नोएडा सेक्टर 62 से रैपिडएक्स ट्रेन के साहिबाबाद स्टेशन तक कुल 5 मेट्रो स्टेशन प्रस्तावित हैं। जीडीए ने मेट्रो संचालन के लिए शासन से 50 प्रतिसत अंशदान देने का अनुरोध किया है, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की पैरवी के बाद शासन के अधिकारियों ने अश्ववासन दिया कि यूपी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन जैसे यूपी के अन्य शहरों में फंडिंग पैटर्न के अनुसार ही काम कर रही है। उसी तरह का प्रस्ताव बनाकर गाजियाबाद प्राधिकरण पेश करे तो उसपर भी विचार किया जाएगा।

ब्राह्मण परिचय सम्मेलन के लिए नगर आयुक्त को दिया गया आमंत्रण पत्र

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। 25वें ब्राह्मण समाज युवक युवती परिचय सम्मेलन में बतौर अतिथि उपस्थित होने के लिए नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने आमंत्रण स्वीकार कर लिया है। परिचय सम्मेलन समिति के सदस्य पं. जयनंद शर्मा, सुभाष शर्मा, अजय शर्मा, मदनपाल शर्मा, राजू पंडित और प्रशांत शर्मा ने नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ से मुलाकात कर पुष्प गुच्छ भेंटकर उनको सम्मानित किया। सदस्यों ने नगर आयुक्त को भगवान परशुराम का चित्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इसके बाद सदस्यों ने औपचारिक रूप से नगर आयुक्त को परिचय सम्मेलन में पधारने का आमंत्रण पत्र दिया। नगर आयुक्त ने परिचय सम्मेलन में शामिल होने का आश्वासन दिया। परिचय सम्मेलन समिति के सदस्य जयनंद शर्मा ने बताया कि 28 और 29 अक्टूबर को ब्राह्मण परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन में गाजियाबाद के अलावा दूसरे शहरों से नामी हस्तियां शामिल होंगी। परिचय सम्मेलन अग्रसेन भवन लोहिया नगर में किया जाएगा। सम्मेलन के लिए रजिस्ट्रेशन का काम तेजी से किया जा रहा है। रजिस्ट्रेशन के लिए पांच सौ रुपए का शुल्क रखा गया है। रजिस्ट्रेशन के लिए अंतिम तिथि 21 अक्टूबर, 2023 रखी गई। इससे पहले 25वें ब्राह्मण युवक युवती परिचय सम्मेलन की आयोजन समिति की आवश्यक बैठक में समिति का चयन किया गया था। पं. देवेंद्र दत्त शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में डीडी शर्मा को आयोजन समिति का अध्यक्ष घोषित किया गया। मुख्य संरक्षक के पद पर पं. जेके गौड़ को नियुक्त किया गया है। जबकि जिलाध्यक्ष पद पर जयनंद शर्मा और महानगर अध्यक्ष पद पर सुभाष शर्मा को नियुक्त किया गया। प्रचार सचिव पद पर पं. डॉ. धीरज भार्गव को जिम्मेदारी दी गई है। संस्था के मुख्य संरक्षक पं. जे के गौड़ ने कहा कि समिति की ओर से हर वर्ष ब्राह्मण परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। जिसमें गाजियाबाद, एनसीआर के नोएडा, गुड़गांव, फरीदाबाद, दिल्ली व अन्य शहरों से विवाह योग्य युवक युवती भाग लेते हैं। परिचय सम्मेलन के मौके पर एक स्मारिका का भी प्रकाशन किया जाता है। जिसमें शामिल होने वाले सभी युवक-युवतियों के बारे में विस्तार से जानकारी होती है। उन्होंने कहा कि समाज में दहेज रोधी विवाह को प्रोत्साहित करने में विवाह योग्य युवक-युवती के परिचय सम्मेलन काफी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इससे समाज को दहेज के बिना शादी कराने का संदेश जाता है।

निगम की आय में बढ़ोत्तरी

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। नगर निगम की आय अब बढ़ने लगी है। कुछ माह पहले तक नगर निगम आर्थिक चुनौती से गुजर रहा था। नगर आयुक्त के चार्ज संभालने के बाद से आर्थिक स्थिति में सुधार आ रहा है। धन की कमी के चलते विकास कार्य नहीं हो पा रहे थे, मगर अब लगातार प्रयास करने पर निगम की आर्थिक स्थिति पुनः संभलती दिखाई दे रही है। निगम की वसूली का भी ग्राफ पिछले वर्ष के मुकाबले बढ़ता बढ़ रहा है।

वर्ष 2022 के माह अप्रैल मई-जून में कर तथा करेत्तर से वसूली की प्राप्त आय लगभग 36 करोड़ 98 लाख थी जोकि वर्ष 2023 के अप्रैल मई-जून मे बढ़कर लगभग 39 करोड़ 71 लाख है।

नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ ने बताया कि संबंधित टीम द्वारा कर वसूली को बढ़ाया गया है। यह निगम के सकारात्मक प्रयास को दर्शा रहा है। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ संजीव सिन्हा तथा जोनल प्रभारी योजनाबद्ध तरीके से कर की वसूली कर रहे हैं। निगम की बढ़ती आय शहर के विकास कार्य को कहीं ना कहीं प्रभावित करती है।

उन्होंने कहा कि संबंधित विभागीय अधिकारी अपने-अपने विभाग में आए बढ़ाने वाले मद पर विशेष कार्य कर रहे हैं। उद्यान विभाग निर्माण विभाग, संपत्ति विभाग विशेष रूप से अपने-अपने विभागों में योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रहे हैं, जिससे निगम की आय को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

नगर आयुक्त ने बताया कि आने वाले समय में निगम की आय बढ़ने के साथ-साथ शहर के विकास कार्यों को शहर के निर्माण कार्यों को भी तेजी से बढ़ाया जाएगा। संबंधित ठेकेदारों को भी समय-समय पर उनका भुगतान किया जा रहा है ताकि शहर के विकास कार्यों में किसी प्रकार की कमी ना रहे इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी संजीव सिन्हा ने बताया कि मेयर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त डॉ नितिन गौड़ शहर के विकास कार्यों को बढ़ाने के लिए टीम बनाकर कर गंभीर रूप से वसूली पर योजना बना रहे हैं। जिन ग्रामीण क्षेत्रों में अभी तक टैक्स नहीं लगा है उन पर टैक्स लगाया जा रहा है। वहां पर कैंप लगाकर टैक्स वसूलने के लिए मोटिवेट कर रहे हैं। गाजियाबाद नगर निगम कर वसूली पिछले वर्ष 2022 के माह अप्रैल मई जून से इस वर्ष अप्रैल मई-जून में बढ़ी है।

Editorial

A Blot on the Nation

The shamefull act, in which over a thousand people paraded two women naked and then gang raped of one of them in Manipur recently, has forced us to think where we are moving. There is no other option but to hang all those involved in the gruesome act. This is not the sole incident that shamed the nation, but the continuous violence in the state, which is known for its multi dimensional culture, is really going out of control. The incident really is blot on India.

The intriguing silence of the Union government on the Manipur scenario is inexplicable. If Prime Minister Narendra Modi chose silence, Home Minister Amit Shah did indeed visit Manipur. The BJP's double standards are in sharp focus on Manipur. While it demanded President's Rule in West Bengal where 15 people were killed, the party maintains a studied silence on Manipur where 150 were killed and thousands injured in ethnic violence. Conversely, the violence continues unabated. The Armed Forces find it difficult to operate and contain violence, as they are not facing just one faction or militant group. They have the unenviable task of confronting the heavily armed groups of Meiteis and Kukis. The Security Forces are undoubtedly handicapped by the absence of the Armed Forces Special Power Act in Manipur. It is currently in force only in Jammu & Kashmir, Nagaland, Assam and Arunachal Pradesh. India can now ill-afford to let the internal strife continue, what with Khalistani separatist forces becoming active again. The Kashmir situation continues to be a cause for concern. Manipur's wound is festering and with the violence between the Meiteis and Kukis going on uninhibited, the bloodshed could soon escalate to the level of a 'civil war'. It's time for India to act.

Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

Mandaviya urges States to increase spending on healthcare

"It is important for every policy to evolve, and learnings need to be taken into consideration to improve them, to achieve the goal of creating better health outcomes for the citizens of the country." This was stated by Dr. Mansukh Mandaviya, Union Health Minister, as he chaired the Swasthya Chintan Shivir held in Dehradun last week, in the presence of Prem Singh Tamang, Chief Minister of Sikkim, and Union Ministers of State for Health & Family Welfare, Dr Bharati Pravin Pawar and Prof. SP Singh Baghel.

Health Ministers including Dhan Singh Rawat (Uttarakhand), Smt.Rajini Vidadala (Andhra Pradesh), Alo Libang (Arunachal Pradesh), Keshab Mahanta (Assam), Shri Rushikesh Patel (Gujarat), Banna Gupta (Jharkhand), Dinesh Gundu Rao (Karnataka), Sapam Ranjan Singh (Manipur), Dr. R. Lalthyangliana (Mizoram), Thiru Ma. Subramanian (Tamil Nadu) participated in the brainstorming conclave. TS Singh Deo (Deputy Chief Minister, and Health Minister, Chhatisgarh), Brajesh Pathak (Deputy Chief Minister, and Health Minister, Uttar Pradesh), BS Pant (Minister of Tourism and Civil Aviation, Sikkim), Vishwas Sarang (State Medical Education Minister, Madhya Pradesh), K Lakshmi Narayanan (Minister of Public Works, Puducherry) also took participation in the session. Dr. Mandaviya further stressed the need for states to increase spending on healthcare, and said that the government of India will support states in this endeavor. He highlighted the progress made in the last one year since the previous Swasthya Chintan Shivir was held, and said that it should be made a regular practice to ensure health outcomes are consistently improved. On day one of this two-day event, sessions were held on various verticals under Ayushman Bharat, including Ayushman Bharat-Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana (PMJAY), Ayushman Bharat Digital Mission (ABDM), Health and Wellness Centres, and Pradhan Mantri Ayushman Bharat Health Infrastructure Mission(PM-ABHIM). The last session of the day focused on the role of Public Health Management Cadre. The national conclave proved to be a platform for sharing of best practices, as well as learning across states in healthcare in India today. The deliberations focused on the implementation of PM-JAY, and the ABDM, and the gaps that need to be filled, with respect to diverse local conditions across states, and provisions for digital health literacy in the country. The national conclave presented an outlook of the health infrastructure to be created in India in the coming years under PM-ABHIM, and the role of the public and private sector in this regard was discussed.

'If Adnan Sami can get citizenship, why can't I'

NOIDA: Seema Haider, a Pakistani woman who crossed over to India with her four children after meeting a youth from Greater Noida online, has moved a mercy petition before President Droupadi Murmu, requesting her to grant her Indian citizenship.

In the 38-page petition, Seema's lawyer, AP Singh, referred to Pakistani singer Adnan Sami, who was granted Indian citizenship recently. "Famous singer Adnan Sami has got citizenship of India due to his longtime stay in India. On the same ground, Seema should be given Indian citizenship," the petition read.

Citing a government document, the petition claimed that nearly 4,000 people from Pakistan, Afghanistan and Bangladesh had been given Indian citizenship in the past six years.

Singh argued that Seema had been cooperating with all investigating agencies and was even ready for a lie detector test amid allegations that she was a Pakistani spy.

Five-Point Strategy Of BJP In UP For 2024 Lok Sabha Elections

The Bharatiya Janata Party (BJP) has devised a mission to secure victory in all 80 Lok Sabha (LS) seats from Uttar Pradesh (UP) in the upcoming 2024 elections.

To succeed in its plan, the special focus is on those seats, where it lost in the 2019 elections.

Of the 80 LS seats of UP, the BJP won 62 in 2019. Its tally came down by nine from the 2014 elections but still, the party's performance was much better than what pollsters had predicted.

For the 2024 elections, the responsibility for Lalganj, Ambedkar Nagar, Shravasti and Rae Bareli is on Union Minister Narendra Singh Tomar, while Annapurna Devi is looking over Jaunpur, Ghazipur and Ghosi seats.

Jienra Singh has been given the charge of Mainpuri, Sambhal, Moradbad and Amroha, while Union Minister Ashwini Vaishnaw will be looking over Saharanpur, Nagina and Bijnor seats. Notably, the BJP lost all seats in Moradabad division (Moradabad, Amroha, Sambhal, Bijnor, Nagina and Rampur) in the 2019 elections and hence it needs a strong strategy for this Jat-Muslim-Dalit majority region. Another strategy that the party is devising is to induct those leaders from other opposition parties who hold a significant influence.

Three Samajwadi Party (SP) leaders and one Rashtriya Lok Dal (RLD) leader joined BJP today. Former Minister Sahab Singh Saini, who is considered a prominent backward leader, is among them.

Former MLAs in Jaunpur district, Kurmi leader Sushma Patel from Mungra Badshahpur and Jagdish Sonkar from Machhlishahar too joined BJP with RLD leader Rajpal Singh Saini who is a former BSP MLA and Rajya Sabha MP.

Similarly, another SP leader Dara Singh Chouhan, who made a comeback to the BJP, can contest from Ghosi, from where he was elected as an MP on the BSP ticket in the 2009 election and MLA on the SP ticket in the 2022 assembly elections.

The third strategy of the BJP is to leverage its already strong position in UP by utilising the state government leaders. It is expected that some state cabinet ministers and many MLAs in the UP government can contest LS polls.

Jitin Prasada can be the BJP candidate at Dhaurahra and Rakesh Sachan may contest from Kanpur. Deputy CM Brajesh Pathak can be a good option for the BJP face at Unnao.

Former Minister of State RPN Singh can contest from Kushinagar, while Balia ticket can be given to Neeraj Shekhar. The fourth strategy is to keep an adequate balance of all castes and communities. In order to achieve this, it is forming alliances with smaller parties that represent a particular caste, along with bringing in the caste leaders.Alliances with Om Prakash Rajbhar-led Suheldev Bharatiya Samaj Party (SBSP), Sanjay Nishadled Nishad party and Anupriya Patel-led Apna Dal (Soneylal) are a part of this strategy.

ग्रेटर नोएडा में सितंबर में होगा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार और इंडिया एक्सपो मार्ट के संयुक्त प्रयास से 21 से 25 सितंबर के बीच यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन किया जाएगा। इसी उपलक्ष्य में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और इंडिया एक्सपो मार्ट की तरफ से रोड शो का आयोजन किया गया। इसमें नोएडा-ग्रेटर नोएडा के तमाम उद्यमी शामिल हुए। रोड शो में उद्यमियों व व्यापारियों को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के बारे में पीपीटी के जरिए जानकारी दी गई। दिल्ली के प्रगति मैदान में प्रति वर्ष होने वाले इंटरनेशनल ट्रेड शो की तर्ज पर उत्तर प्रदेश के व्यापारियों और उद्यमियों को बृहद स्तर पर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने के मकसद से इस ट्रेड शो का आयोजन किया जा रहा है। रोड शो में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी व उद्योग विभाग के प्रभारी विशु राजा ने ट्रेड शो के बाबत जानकारी साझा की। जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक अनिल कुमार, नोएडा प्राधिकरण, इनवेस्ट यूपी, उद्योग बंधु के अधिकारी, व्यापार संघ और चैंबर्स के प्रतिनिधि, उद्यमी, निर्यातक और एक्सपो मार्ट के अधिकारी शामिल हुए। रोड शो के दौरान प्रमुख औद्योगिक व व्यापार संघों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इंडिया एक्सपो मार्ट के सीईओ सुदीप सरकार ने बताया कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में एमएसएमई, पर्यटन, स्वास्थ्य, कपड़ा, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण, स्टार्टअप, खिलौना संघ, उत्तर प्रदेश के शिल्प क्लस्टर, हथकरघा और कपड़ा, सूक्ष्म और अति सूक्ष्म उद्योग आदि से जुड़े लोग शामिल होंगे। नोएडा एंट्रिप्रन्योर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन मल्हन ने कहा कि यूपी सरकार की इस पहल से नोएडा-ग्रेटर नोएडा के उद्योगों को वैश्विक स्तर पर पहचान मिल सकेगी। इससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और प्रदेश और देश को राजस्व हासिल होगा। रोड शो के दौरान न्यू हॉलैंड ट्रैक्टर से आदित्य घिल्डियाल व एनके गुप्ता, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स, हायर अपलायेंसेज, मिंडा कॉर्पोरेशन, होंडा इंडिया पावर प्रोडक्ट आदि के प्रतिनिधि शामिल हुए।

प्रोजेक्ट टाइगर पर आयोजित नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में गुरुकुल द स्कूल ने जीता पहला स्थान

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। जिला प्रशासन द्वारा प्रोजेक्ट टाइगर की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में से नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन गुरुकुल स्कूल के प्रांगण में किया गया। जिसमें दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कई स्कूलों ने भाग लिया।

इस प्रतियोगिता में एक साझा मिशनः प्रोजेक्ट टाइगर का समर्थन किया गया। जो हमारे देश के संरक्षण प्रयासों की कड़ी में एक महत्वपूर्ण अभियान है। इस अभियान की उल्लेखनीय उपलब्धियों को दर्शाने हेतु प्रतियोगिता और गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की गई जिसका उद्देश्य पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण में छात्रों को शामिल करना है। 1973 से प्रोजेक्ट टाइगर ने हमारे देश में बाघों और उनके प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कड़ी प्रतिस्पर्धा वाली इस प्रतियोगिता में स्कूलों का प्रतिनिधित्व करने वाली टोलियों में से गुरुकुल द स्कूल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता होने का गौरव प्राप्त किया।

इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक सचिन वत्स, प्रशासनिक निदेशिका शिखा वत्स, प्रधानाचार्य गौरव बेदी, युवा उद्यमी मनप्रीत कौर और कला निर्देशक एवं फिल्म निमार्ता विवेक राज की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम में एक नया जोश भर दिया। सभी गणमान्य व्यक्तियों ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए विद्यालय की मुक्त कंठ से सराहना की।

प्रतिष्ठित अतिथियों ने स्कूल के गर्मजोशी भरे आतिथ्य प्रबंधन की सराहना की और निदेशक सचिन वत्स और प्रिंसिपल गौरव बेदी के नेतृत्व में कार्यवाहक दल को इतने सफल और प्रभावशाली कार्यक्रम के आयोजन के लिए बधाई दी।

निदेशक सचिन वत्स ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से बच्चों को प्रकृति के बारे में जानने का मौका मिलता है। भारत में बाघों की संख्या कम होती जा रही थी लेकिन प्रोजेक्ट टाइगर योजना से अब बाघों की संख्या बढ़ने लगी है।

करियर की बातें टीबीसी के संग

इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री में है खूब स्कोप

गाजियाबाद। जैसे-जैसे वक्त बदल रहा है, उसी के अनुसार ही हमारे जीने का अंदाज भी बदल रहा है। इसके साथ ही चेंज हो रहा है हमारी जिंदगी के खूबसूरत पलों को सेलिब्रेट करने का तरीका। अब शादी हो या फिर बर्थडे पार्टी, बेबी शावर हो या एनिवर्सिटी की पार्टी। इन सभी के लिए लोगा कोशिश करते हैं कि उनका फंक्शन सबसे अलग और सुंदर हो। इसकी डेकोरेशन बिल्कुल हटकर हो। इसके लिए लोग प्रोफेशनल्स की मदद लेने से भी नहीं चूकते हैं। इन्हीं प्रोफेशनल्स को इवेंट मैनेजर कहते हैं। ये लोग आज लोगों के छोटे से छोटे फंक्शन को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। यह केवल पर्सनल पार्टीज तक ही सीमित नहीं बल्कि बड़ी-बड़ी कॉर्पोरेट पार्टीज से लेकर सेमिनार, प्रदर्शनी, अवॉर्ड फंक्शन समेत अन्य में भी ये इवेंट मैनेजर काफी अहम भूमिका निभाते हैं। इसके चलते ही इस इंडस्ट्री में प्रोफेशनल्स की डिमांड भी खूब बढ़ रही है। अगर आप भी इस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो आज हम आपको इससे जुड़ी कुछ अहम अपडेट बताने जा रहे हैं। इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री में आगे बढ़ने के लिए कैंडिडेट्स 12वीं के बाद भी इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। इसके लिए आप डिग्री कोर्सेज में एडमिशन ले सकते हैं। इसके साथ ही आप चाहें तो डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में भी दाखिला ले सकते हैं। आप संबंधित संस्थानों में जाकर इसके लिए अप्लाई कर सकते हैं।

ढेर सारे करियर ऑप्शन है

इस फील्ड में आगे बढ़ने वाले उम्मीदवारों के पास ढेर सारे अवसर करियर ऑप्शन उपलब्ध हैं। इनमें कैंडिडेट्स, इवेंट मैनेजर, इवेंट प्लानर, पब्लिक रिलेशन मैनेजर, सोशल मीडिया कोआर्डिनेटर, **Sponsorship** कोआर्डिनेटर समेत अन्य प्रोफाइल पर काम करके अपना फ्यूचर सिक्योर कर सकते हैं।

इस क्षेत्र में आगे बढ़ने वाले उम्मीदवारों को एक बात का ध्यान रखना चाहिए कि वे पब्लिक से डील करने में परफेक्ट हों, क्योंकि एक इवेंट को हैंडल करने के दौरान आपको कई लोगों से बातचीत करनी पड़ती है। इसके साथ ही काम के दबाव में धैर्य बनाएं रखें, क्योंकि कई बार एक फंक्शन को आयोजित करने के दौरान तमाम तरह की चुनौतियां सामने आती हैं तो इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप संयम बनाएं रखें।

कैसा हो इवेंट मैनेजर?

- कुशल संचालन क्षमता और चुनौतियों से निपटने जानता हो
- प्रभावी कम्युनिकेशल स्किल्स, बातचीत में विनम्र हो
- क्रिएटिविटी और समस्या समाधान में हो माहिर
- उसके पास इवेंट के लिए जरूरी लोगों का बेहतर नेटवर्क हो
- टीम वर्क और लीडरशिप की क्षमता है जरूरी

क्या है सैलरी

कोर्स के बाद शुरूआत में कम सैलरी मिलेगी. अनुभव होने पर आपकी सैलरी बढ़ेगी और कुछ साल बाद अच्छी इनकम शुरू हो जाएगी। शुरूआत में 20 से 50 हजार रुपए प्रतिमाह तक कमा सकते हैं. अपनी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी खोलने का भी ऑप्शन रहता है, यह काम कम इनवेस्टमेंट से शुरू किया जा सकता है।

नई शिक्षा नीति पर जेकेजी स्कूल विजयनगर में कार्यशाला आयोजित

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। विजयनगर स्थित जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल में नई शिक्षा नीति-2020 पर आधारित एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। वरिष्ठ प्रोफेसर मदन साहनी ने नई शिक्षा नीति के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति को छात्रों के करियर को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल की कनिका विज ने संचालन किया। कार्यशाला में गाजियाबाद और उसके आसपास के विभिन्न स्कूलों के 64 प्रशिक्षित शिक्षकों ने भाग लिया। सात घंटे चली कार्यशाला में प्रतिस्पर्धा की परस्पर विचार-मंथन किया गया। 21वीं सदी की समकालीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति में तय लक्ष्यों को इस कार्यशाला में आत्मसात किया गया। प्रधानाचार्या अंजू गौड़ ने सभी का आभार प्रकट किया। कार्यशाला में दूसरे वक्ताओं ने भी अपनी राय रखी।

आई फ्लू के मामलों में बढ़ोत्तरी, जिला अस्पताल में मरीजों की भरमार

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। लगातार हो रही बारिश और बाढ़ के कारण आई फ्लू की बीमारी बढ़ती जा रही है। लोगों को आंखों में जलन, लालिमा, खुजली और संक्रमण की शिकायत हो रही है। आई फ्लू की शिकायत लेकर सरकारी और निजी अस्पतालों में मरीजों की भरमार हो गई है।

आई फ्लू या कंजंक्टिवाइटिस बच्चों और बड़ों को तेजी से अपनी चपेट में ले रहा है। गाजियाबाद जिला एमएमजी अस्पताल के आई स्पेशलिस्ट डॉक्टर सुधा ने बताया कि संक्रामक रोग से परिवार के अन्य सदस्य जल्दी चपेट में आ रहे हैं। आई फ्लू से पीड़ित व्यक्ति को सार्वजनिक स्थानों पर जाने से बचना चाहिए।

स्कूल में पढ़ने वाले अभिभावकों से कहा कि आई फ्लू से पीड़ित बच्चों को स्कूल न भेजें और दूरी बना कर बैठें। ऐसे बच्चे स्वस्थ होने के बाद ही स्कूल जाएं, जिससे अन्य छात्रों में इसका संक्रमण न फैले।

गाजियाबाद जिला एमएमजी अस्पताल की नेत्र विशेषज्ञ डॉ. सुधा ने बताया कि आज मरीजों की ओपीडी हुई, जिसमें एक दो को छोड़कर लगभग सभी आई फ्लू से पीड़ित थे। उन्होंने कहा कि सावधानी बरतनी होगी, नहीं तो परिवार में एक चपेट में आने के बाद सभी लोग शिकार हो सकते हैं। जिला एमएमजी अस्पताल के सीएमएस डॉ. मनोज चतुर्वेदी ने बताया कि ओपीडी में इन दिनों आई फ्लू के मरीजों में इजाफा हो रहा है। ये मौसमी बीमारी है, इससे पैनिक होने की जरूरत नहीं है। लोगों को इस समय सावधानी और सतर्क रहने की बेहद जरूरत है। उन्होंने बताया कि 250 से ज्यादा मरीजों की ओपीडी में करीब 50 से 60 से मरीज आई फ्लू वाले सामने आ रहे हैं। सीएमएस मनोज चतुर्वेदी ने बताया कि यह संक्रमण बरसात के मौसम में सबसे ज्यादा फैलता है। यह एक दूसरे की आंख को देखने से भी फैलता है। इसलिए एक दूसरे की तरफ नहीं देखना चाहिए। आंखों को हल्के गर्म पानी से साफ करते रहें। डॉक्टर के द्वारा बताई गई दवाई का प्रयोग करें। आई फ्लू से पीड़ित लोग आंखों पर चश्मा अवश्य लगा कर रखें। आई टू आई कॉन्टैक्ट करने से बचें।

बलोचिस्तान की निर्वासित सरकार की प्रधानमंत्री पहुंची गाजियाबाद

'आज बलोचो के साथ हो रहा है, वो कल सारी दुनिया मे होगा'

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। बलोचिस्तान की निर्वासित सरकार की प्रधानमंत्री नायला कादरी बलोच बीते सप्ताह गाजियाबाद में थीं। उन्होंने शिवशक्ति धाम डासना के पीठाधीश्वर व श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर यति नर सिंहानंद गिरी से मिलने गाजियाबाद आई थीं। शिवशक्ति धाम में उन्होंने विधिवत पूजा अर्चना की। यति समेत अन्य संतों ने नायला कादरी बलोच का धूमधाम से स्वागत किया।

नायला कादरी बलोच ने यति नरसिंहानंद गिरी को मानवता की सबसे विकट लड़ाई लड़ने के लिये धन्यवाद दिया। उनसे अपनी लड़ाई में बलोचिस्तान को भी सम्मिलित करने का निवेदन किया। नायला कादरी बलोच ने कहा कि जो लड़ाई जिहाद के नाम पर शुरू की गई थी,वो लड़ाई अब सबको खाने लग गयी है। जिन हाथों ने एक हजार साल तक भारत को लूटा,वो ही हाथ आज हमें मार रहा है। अगर इस हाथ को नहीं मिटाया गया तो यह हाथ फिर भारत को बर्बाद कर देगा।

महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी ने उन्हें अपनी बहन बताते हुए कहा कि उनकी लड़ाई में वो पूरी तरह से उनके साथ है। उनकी बात बिल्कुल सही है कि जो आज बलोचो के साथ हो रहा है, वो कल सारी दुनिया मे होगा।

बलोचिस्तान निर्वासित सरकार की प्रधानमंत्री का स्वागत करने वालो में यति कृष्णानंद, यति असीमानंद, विनोद सर्वोदय, डॉ उदिता त्यागी, अनिल यादव,सरदार रविरंजन सिंह,अमर बलिदानी मेजर आशाराम त्यागी सेवा संस्थान के अध्यक्ष नीरज त्यागी, अक्षय त्यागी,मुकेश त्यागी, संजय त्यागी, बृजमोहन सिंह,मोहित बजरंगी तथा अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

दूधेश्वरनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की

बलोचिस्तान की निर्वासित सरकार की प्रधानमंत्री नायला कादरी बलोच महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी व डॉ उदिता त्यागी जी के साथ श्रीदुधेश्वरनाथ मठ में पूजा अर्चना की। नायला कादरी ने कहा कि सनातन धर्म के मंदिर और उपासना स्थल सम्पूर्ण मानवता के लिये प्रेम और सम्मान से भरे हुए हैं। पता नही वो कौन सा पागलपन है जो कुछ लोगो को ऐसे मन्दिर और उपासना स्थल को तोड़ने की इजाजत देता है। मन्दिरो को तोड़ने वाले कोई राजा, महाराजा या सुल्तान नहीं थे बल्कि चोर डाकू थे। यदि ऐसे चोर डाकुओं की औलादें कहीं हैं या कोई खुद को उनकी औलाद मानता है तो उसे अपने पुरखों के कारनामो पर शर्मिंदा होना चाहिये और इसके लिये हिन्दुओं से माफी मांगनी चाहिये।

उन्होंने कहा कि जो हमारे साथ हो रहा है उससे सारे विश्व को सबक लेना चाहिये। यहां कुछ मांगने नही बल्कि यहाँ के हिन्दुओं को हिंगलाज माता का आशीर्वाद देने के लिये आई है। दूधेश्वरनाथ पीठाधीश्वर स्वामी नारायण गिरी महाराज ने नायला कादरी को चादर पहनाकर सम्मानित किया। बलोचिस्तान की आजादी के लिये आशिर्वाद देते हुए महंत ने कहा कि सनातन धर्म सदैव की अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध रहा है। हम हर तरह से बलोच भाइयों के साथ हैं और उनका समर्थन करते हैं।

स्वामी नारायण गिरी ने भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से इस विषय मे त्वरित कदम उठाने की भी अपील की। भारत की जनता बलूचिस्तान के हिंदुओं क साथ पूरी तरह से है। उनका दुख हमारा दुख है। इस अवसर पर सरदार रविरंजन सिंह, कैप्टन शशिभूषण त्यागी, अंकित वर्मा, अंकुर जावला सहित अनेक गणमान्य भक्त उपस्थित थे।

पीएम मोदी के भाई का जिला चिकित्सालय में हुआ डायलिसिस

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के छोटे भाई प्रहलाद मोदी ने संजय नगर स्थित संयुक्त जिला चिकित्सालय में डायलिसिस कराया। प्रहलाद मोदी बुधवार को अहमदाबाद से गाजियाबाद स्थित प्रताप विहार में अपने एक मित्र के घर पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि जनवरी 2023 से उन्हें हर सप्ताह दो बार (सोमवार और गुरुवार को) डायलिसिस की जरूरत पड़ती है। उनकी प्राथमिकता रहती है कि डायलिसिस सरकारी चिकित्सालय में ही कराई जाए। उन्होंने बताया कि गुजरात के बाद उत्तर प्रदेश में सरकारी चिकित्सालय में यह सुविधा मिली। सरकारी स्तर पर डायलिसिस सुविधा मिलना अच्छी बात है। गुरुवार को सुबह आठ बजे प्रहलाद मोदी बिना किसी तड़क-भड़क के डायलिसिस के लिए प्रताप विहार से संजय नगर संयुक्त जिला चिकित्सालय पहुंचे। हमेशा सादगी के साथ रहने वाले प्रहलाद मोदी के साथ न तो कोई लाव लश्कर था और न ही कोई विशेष व्यवस्था, इसलिए किसी को कानों-कान खबर नहीं हो पाई कि प्रधानमंत्री के भाई संयुक्त जिला चिकित्सालय में पहुंचे हैं। चिकित्सालय में रूटीन के काम यथावत चल रहे थे, वीआईपी आगमन से किसी रोगी को परेशानी नहीं हुई और वह डायलिसिस कराकर निकल गए। शहर विधायक अतुल गर्ग के प्रतिनिधि राजेंद्र मित्तल उनकी अगवानी के लिए जरूर पहुंचे थे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ भवतोष शंखधर के साथ ही संयुक्त जिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ विनोद चंद्र पांडेय और जिला एमएमजी चिकित्सालय के सीएमएस डॉ मनोज चतुर्वेदी की मौजूदगी में प्रहलाद मोदी की डायलिसिस की गई। बता दें कि संयुक्त जिला चिकित्सालय, संजयनगर में पीपीपी मॉडल पर किडनी की बीमारी से पीड़ित रोगियों के लिए निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध है।

डूब क्षेत्र में कॉलोनी काटने वाले पर लगेगा गैंगस्टर

टीबीसी न्यूज

नोएडा। यमुना और हिंडन में आई बाढ़ ने बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित किया। डूब क्षेत्र में लोगों को बसाने वालों के खिलाफ प्रशासन, प्राधिकरण, पुलिस और सिंचाई विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। यहां पर अवैध कॉलोनी काटने वालों को चयनित कर रहे हैं। इनके खिलाफ भूमाफिया और गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करने की तैयारी है। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने कहा कि यमुना और हिंडन के डूब क्षेत्र में बने अवैध फार्म हाउस व अन्य अवैध निर्माणों पर कार्रवाई होगी। इसके लिए अवैध निर्माण को चिन्हित कर भूखंडवार रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए है। इसके लिए पूरे डूब क्षेत्र का सर्वे कराया जाएगा। निबंधन विभाग की भी जिम्मेदारी तय की जाएगी कि उन्होंने डूब क्षेत्र में कैसे रजिस्ट्री होने दी और उन पर अंकुश नहीं लगाया। सभी अवैध फार्म हाउस और अन्य अवैध निर्माण कराने वालों पर भी कार्रवाई होगी। जिलाधिकारी

आपदा प्रबंधन के तहत फार्म हाउसों और अन्य अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया जाएगा : डीएम

मनीष कुमार ने बताया कि आपदा प्रबंधन के तहत फार्म हाउसों और अन्य अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया जाएगा, जिसके लिए पूरे डूब क्षेत्र का हवाई सर्वे भी किया जा चुका। स्थलीय निरीक्षण कर भी रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इन सभी को शीघ्र ही नोटिस जारी किए जाएंगे। प्रशासन के अलावा सिंचाई विभाग और प्राधिकरण भी अलग रिपोर्ट तैयार कर रहा है। डूब क्षेत्र में अवैध कॉलोनी बनाने वाले लोगों के खिलाफ भी भूमाफिया के तहत कार्रवाई की जाएगी।

धर्मांतरण के लिए पादरी के बैंक खाते में अमेरिका से आए 30 लाख रुपए

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। गरीब हिंदुओं को पैसे का लालच देकर ईसाई बनाने वाले पादरी और उसकी पत्नी को धर्मांतरण के लिए अमेरिका से फंडिंग हो रही थी। इसके अलावा अन्य संस्थानों से भी उसके खातों में रकम भेजी जा रही थी। इस बात का खुलासा पुलिस ने आरोपियों के बैंक खातों को खंगालने के बाद किया है। पुलिस का कहना है कि जेल भेजे गए पादरी महेंद्र कुमार और उसकी पत्नी के खातों में अमेरिका से भेजी गई 30 लाख रुपए की ट्रांजैक्शन मिली है। इसे लोगों में बांटकर आरोपी दंपति धर्मांतरण कराने में जुटा था। पुलिस अब उन खाताधारकों को ट्रेस कर रही है, जिन्हें महेंद्र द्वारा रकम भेजकर हिंदू से ईसाई बनाया गया है।

पुलिस का कहना है कि हापुड़ देहात क्षेत्र के गांव पीरनगर सूदना निवासी पादरी महेंद्र के नाम पर 4 बैंक खाते ट्रेस हुए हैं। इनमें दो एसबीआई, एक पीएनबी, एक केनरा बैंक में है। एसबीआई का एक खाता और पीएनबी का खाता बंद है। जबकि बाकी दोनों खाते सक्रिय हैं। इसके अलावा महेंद्र की बैथलहम गोस्पेल नाम से भी एक खाता बैंक ऑफ इंडिया में मिला है। पांचों बैंक खातों में करीब 38 लाख रुपए आए हैं। इनमें से करीब 30 लाख रुपए अमेरिका से भेजे गए हैं। अमेरिका से भेजे गए 10.49 लाख रुपए महेंद्र की पत्नी सीमा के एसबीआई खाते में आए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस रकम में छोटे-मोटे लेनदेन को शामिल नहीं किया गया है।

पुलिस का कहना है कि अमेरिका से हार्वेस्ट वर्ल्ड नामक संस्था के खाते से महेंद्र के खाते में रकम भेजी गई। इसके अलावा भारत में एक मिशनरी संस्था ने भी धर्मांतरण कराने वाले महेंद्र और उसकी पत्नी सीमा के खाते में रकम भेजी है। इसके आधार पर पुलिस इन दोनों संस्थाओं को केस में आरोपी बना सकती है। इसके अलावा महेंद्र ने जिन-जिन लोगों को रकम भेजी है। वह भी कमिश्नरेट पुलिस की रडार पर है।

इंदिरापुरम स्थित रोटेरेक्ट क्लब ऑफ जयपुरिया स्कूल ऑफ बिजनेस ने रहम फाउंडेशन के सहयोग से लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

टीबीसी न्यूज

गाजियाबाद। इंदिरापुरम स्थित रोटेरेक्ट क्लब आफ जयपुरिया स्कूल आफ बिजनेस ने रहम फाउंडेशन और रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सैफ्रोन, रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर और रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली ईस्ट एंड के सहयोग से बुधवार को शक्ति खंड-चार के ब्लॉक-बी स्थित गेट नंबर एक पर स्वास्थ्य, दांत और नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर में मैक्स सुपर स्पेशयालिटी हॉस्पिटल एवं क्लोव डेंटल के डॉक्टर्स और पैरामेडिकल स्टाफ की टीम ने आम लोगों के साथ कई छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य, दांत और आंखों की जांच की।

शिविर में लोगों के ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन, शुगर, कोलेस्ट्रॉल और हड्डियों की जांच की गई। डॉक्टरों ने स्वास्थ्य और दांत व आंखों की देखरेख के लिए आवश्यक परामर्श भी दिए। रहम फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. धीरज कुमार भार्गव ने बताया कि रोटरी क्लब के सामाजिक दायित्वों के तहत समय-समय पर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाता है।

इस शिविर में सौ से ज्यादा लोगों ने अपने स्वास्थ्य, दांत व आंखों की जांच कराई। जिन लोगों की स्वास्थ्य जांच में कोई कमी पाई गई उन्हें इलाज के लिए अस्पताल को रेफर किया गया। उन्होंने कहा कि इस शिविर के लिए इंटरैक्ट क्लब ऑफ जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, इंदिरापुरम, गाजियाबाद भार्गव समाज समिति ने भी सहयोग किया।

उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब की ओर से अब तक कई शिविर लगाए जा चुके हैं। स्वस्थ्य तन और स्वस्थ्य मन होने से तमाम परेशानियां खुद ही दूर हो जाती है। क्लब की ओर से और भी सामाजिक कार्य किए जाते हैं।

इस मौके पर डॉ. धीरज कुमार भार्गव के अलावा कोषाध्यक्ष मनीषा भार्गव, रोटेरेक्ट क्लब ऑफ जयपुरिया स्कूल आफ बिजनेस के अध्यक्ष प्रदीप यादव, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सैफ्रोन की अध्यक्ष कोमल जैन और जयपुरिया स्कूल ऑफ बिजनेस से प्रो. सपना जैन और डॉ. अंचल कुमारी उपस्थित थी। वहीं हॉस्पिटल और क्लोव डेंटल से नीति त्यागी और पुष्पेंद्र पांडेय उपस्थित थे।

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargava at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. **Editor:** Dheeraj Kumar, **Resident Editor:** Manisha Bhargava** **Email:** editor@tbam.co.in
RNI. No: UPBIL/2009/28691, **Postal Registration No.** UP/GBD80/2016-18, **Advertisement :** Ph. No.: 0120-2850800, 2850297, **Fax :** 0120-4561000
Add: Plot No- 516, Sector- 12, Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad (U.P.)**
Responsible for selection of News under the PRB Act. Repro- duction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.